SAGE | bhasha

भारतीय भाषाओं में प्रकाशन कार्यक्रम

ई-बुक्स भी उपलब्ध

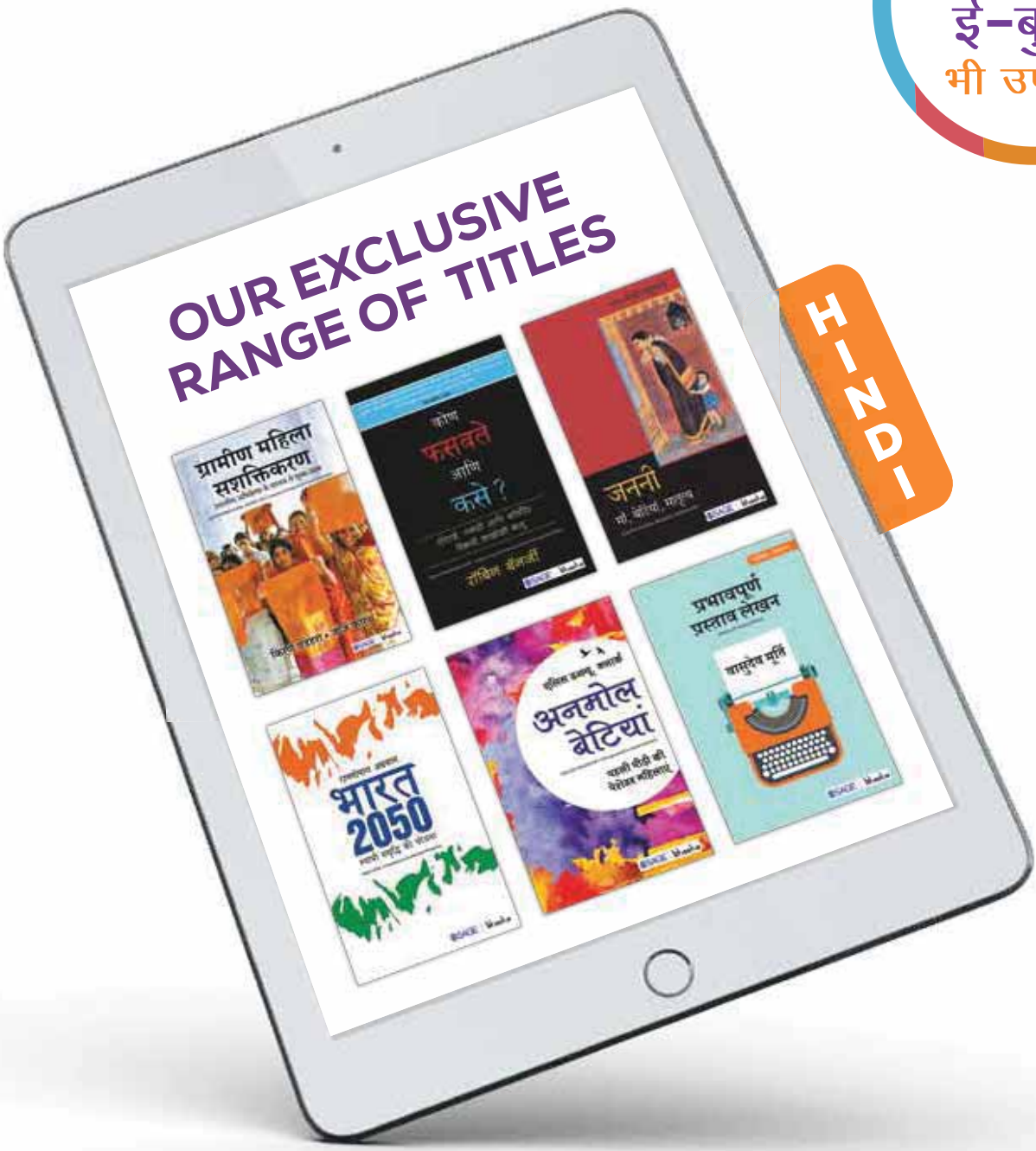

2017-2018

LOOK OUT FOR
www.sagebhasha.com

प्रिय पाठक,

हमारी नवीन और बेस्टसेलर हिन्दी पुस्तकों को प्रदर्शित करती सेज भाषा की प्रथम पुस्तक-सूची (कैटल ग) प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

विगत 50 वर्षों में सेज विभिन्न पाठ्यक्रमों में अनुसंधान, जर्नल्स में प्रमुख विद्वानों के कार्यों के प्रकाशन, संदर्भ पुस्तकों और हाल ही में पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन में अग्रणी रहा है। उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता में भारतीय भाषाओं में प्रकाशन कार्यक्रम सेज भाषा के माध्यम से बड़ा परिवर्तन आया है।

सेज भाषा का उद्देश्य भाषाओं के बंधन से परे जाकर अत्याधुनिक शोध के माध्यम से प्रत्येक शैक्षणिक स्तर तक पहुंचना है। वर्ष 2015 में हिन्दी व मराठी में इसकी शुरुआत कर हम कम मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं और हमारा उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं में इसका विस्तार करना है।

इस पुस्तक-सूची के माध्यम से, हम हमारे पाठकों को सामाजिक विज्ञान के अद्वितीय संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं, जिसमें शोध विधियां, राजनीति, समाजशास्त्र, इतिहास, शासन, मीडिया व संचार, मनोविज्ञान, शिक्षा, अर्थशास्त्र व विकास अध्ययन, शैक्षणिक साधन और बिजनेस तथा प्रबंधन जैसे विषय शामिल हैं। शोधकर्ताओं और छात्रें, दोनों के लिए ही कम कीमतों पर उपलब्ध यह पुस्तकें बहूमूल्य साबित होंगी। इन पुस्तकों की विभिन्न विद्वत्तापूर्ण विषयों के लिए संदर्भ-सामग्री के रूप में उपयोगिता तो है ही, साथ ही इन्हें आत्मसुधार, बतौर सहायक पाठ या प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

अगर आप अच्छी हिन्दी पुस्तकों के माध्मय से अपने पुस्तकालय का विस्तार करना चाहते हैं और पुस्तक चुनाव में सहायता की आवश्कता है तो नजदीकी बिक्री प्रतिनिधि से संपर्क करें। आप किसी भी पुस्तक की एक या अधिक प्रतियां खरीदने के लिए bhashasales@sagepub.in पर भी लिख सकते हैं। हमें आकर्षक छूट के साथ पुस्तकें उपलब्ध कराने में प्रसन्नता होगी।

नई और आगामी पुस्तकों की जानकारी तथा सेज संबंधी आयोजनों की जानकारी के लिए और हमारी ई-मेल सूची से जुड़ने के लिए आप हमें marketing@sagepub.in पर लिख सकते हैं। हमें आपकी सहायता करने में हर्ष होगा।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको हमारी नवीनतम पुस्तक-सूची में कुछ न कुछ रुचिकर तथा जानकारीप्रद अवश्य मिलेगा।

हमारे संसाधनों पर विचार करने हेतु आपके समय के लिए धन्यवाद!

भवदीय
सेज मार्केटिंग

TABLE OF CONTENTS

बिजनेस एंड मैनेजमेंट 1–5
सेल्फ हेल्प 5–6
समाजशास्त्र 6–10
इतिहास 10–12
समाज कार्य 13
राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध 13–17
शासन अध्ययन 17
विधि एवं दंड न्याय 18
अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन 18–20
मीडिया और संचार 20
शिक्षा 21–22
विशेष आवश्यकता शिक्षा 22
मनोविज्ञान 23
स्वास्थ्य 23
पर्यावरण अध्ययन 24
शोध विधियां 24–26
शैक्षणिक साधन 26

Not all the books are available as ebook

मराठी में भी उपलब्ध

विराम की घोषणा: एक नए भविष्य का सृजन : समीर दुआ

6 सरल चरणों में अर्थपूर्ण भविष्य का निर्माण

विवरण

भविष्य के पूर्वानुमान का सर्वश्रेष्ठ तरीका है इसका सृजन। यह पुस्तक पसंद के भविष्य का सृजन करने के लिए 6-चरणों वाली सरल रूपरेखा प्रदान करती है। यह रचनात्मक नेतृत्व की विशेषताओं से परिचय कराती है, जिन्हें व्यवहार में लाने पर कार्यप्रदर्शन बेहतर होता है।

लेखक के विषय में

समीर दुआ इंस्टीट्यूट फ़ॉर जनरेटिव लीडरशिप, पुणे, भारत के संस्थापक व सीईओ हैं।

₹ 295

2017 | 277 pages
PB (978-93-866-0268-8)

मराठी में भी उपलब्ध

महिला उद्यमी : अविनाश किरपाल

सफलता की प्रेरणादायक कथाएं

विवरण

निजी साक्षात्कारों पर आधारित यह पुस्तक भारत में महिला उद्यमियों की प्रेरणादायक कथाएं प्रस्तुत करती है और बताती है कि उद्यमितापूर्ण उपक्रमों के लिए प्रेरणा आय की पूर्ति की आवश्यकता से न मिलकर सर्जनात्मक अभिव्यक्ति और निजी प्रगति की पूर्ति से मिल रही है।

लेखक के विषय में

अविनाश किरपाल टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड के भूतपूर्व वाइस-प्रेसीडेंट हैं।

₹ 250

2017 | 176 pages
PB (978-93-5280-297-5)

मराठी में भी उपलब्ध

कौन धोखा देता है और कैसे? : रॉबिन बनर्जी

घोटाले, धोखाधड़ी और कॉर्पोरेट दुनिया का स्याह पक्ष

विवरण

यह पुस्तक कॉर्पोरेट जगत की धोखाधड़ी और घोटालों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करती है। छह वर्षों के कठिन शोध के बाद लिखी गई यह पुस्तक, विभिन्न परिस्थितियों और संदर्भों में कंपनियों द्वारा किए गए अपराधों की बड़ी संख्या को उजागर करती है।

लेखक के विषय में

रॉबिन बनर्जी वरिष्ठ प्रोफेशनल एग्जीक्यूटिव हैं और उन्हें 35 वर्षों का अनुभव है।

₹ 325

2015 | 324 pages
PB (978-93-859-8560-7)

मराठी में भी उपलब्ध

दि विनिंग मैनेजर : वॉल्टर विएरा

कार्पोरेट सफलता के लिए समय की कसौटी पर खरे सिद्धांत, 2ई

₹ 195

2016 | 244 pages
PB (978-93-515-0719-2)

विवरण

यह प्रबंधन पर कोई मानक किताब नहीं है। यह पाठक को क्रमबद्ध नियोजन, पूर्वानुमान, संगठन, प्रतिनिधित्व, अभिप्रेरण, निगरानी, नियंत्रण और संवाद की प्रक्रिया से परिचित कराने के बजाय, प्रबंधन की 'आंतरिक परतों में झांकती है', और कुछ अनछुए पहलुओं पर चर्चा करती है।

लेखक के विषय में

वॉल्टर विएरा इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मैनेजमेंट कंसल्टिंग इंस्टीट्यूट्स (आईसीएमसीआई) के भूतपूर्व चेयरमैन हैं।

हू विल बैल द कैट : मोइद सिद्दिकी

स्ट्रैटजी निर्माण व क्रियान्वयन के लिए मैनेजर की टूलकिट

₹ 195

2015 | 191 pages
PB (978-93-515-0602-7)

विवरण

यह पुस्तक लोकप्रिय नीतिकथा "हू विल बैल द कैट?" के जरिये व्यापारिक रणनीति की समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराती है। यह पुस्तक, व्यवसाय प्रबंधकों एवं छात्रों को रणनीति प्रबंधन की चिरस्थाई अवधारणाओं और निर्धारित मानदंडों से परे विचार करने की चुनौती देती है।

लेखक के विषय में

मोइद सिद्दिकी प्रबंध निदेशक, इंटलेक्ट्स बिज़।

मराठी में भी उपलब्ध

ईज़ी मनी : विवेक कौल

मुद्रा का विकास, रॉबिनसन क्रूसो से प्रथम विश्वयुद्ध तक

₹ 225

2016 | 284 pages
PB (978-93-515-0671-3)

विवरण

ईज़ी मनी में चर्चा की गई है कि किस प्रकार अमेरिका और दुनिया के अन्य हिस्सों में स्थावर संपदा के क्षेत्र में मौजूद भ्रांति दूर होने के दुष्प्रभाव सामने आए, जिसे दुनिया वैश्विक आर्थिक संकट के नाम से जानती है।

लेखक के विषय में

विवेक कौल ने डेली न्यूज़ एंड एनालिसिस (डीएनए) तथा दि इकोनॉमिक टाइम्स में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है।

एंगर मैनेजमेंट (क्रोध प्रबंधन) : स्वाति वाई. भावे । सुनील सैनी

विवरण

यह पुस्तक हमें क्रोध प्रबंधन में महारत हासिल करने की कला सिखाती है। इसकी रोचक व सरल सामग्री तथा चित्रों ने इसे आम आदमी के साथ-साथ पेशेवरों, चिकित्सकों, मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और सलाहकारों के लिए बेहद रोचक, मनोरंजक एवं प्रभावोत्पादक बना दिया है।

₹ 175

2015 | 166 pages
PB (978-93-515-0580-8)

लेखकों के विषय में

स्वाति वाई. भावे विज़िटिंग कंसल्टेंट, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली

सुनील सैनी गुरु जंभेश्वर यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी, हिसार, हरियाणा

सपने देखने का साहस : अंजलि हजारिका

सपनों के द्वारा व्यावसायिक रचनात्मकता का सृजन

विवरण

लेखिका के गहनतम् शोध एवं आयोजित कार्यशालाओं से प्राप्त अनुभव के आधार पर रचित यह पुस्तक, समस्या-निवारण एवं निर्णयन में चेतना की विभिन्न अवस्थाओं के प्रयोग को दर्शाती है। इसमें स्वप्नकार्यों के उदाहरण, इस तकनीक की चरणबद्ध विधि एवं व्यष्टि अध्ययन दिए गए हैं।

₹ 195

2015 | 188 pages
PB (978-93-515-0584-6)

लेखक के विषय में

अंजलि हजारिका एसोसिएट कोच, सेंटर फॉर क्रिएटिव लीडरशिप

मराठी में भी उपलब्ध

बॉडी लैंग्वेज : हेडविग लेविस

पेशेवरों के लिए एक पथप्रदर्शक, 3ई

विवरण

बॉडी लैंग्वेज आज के युग में एक महत्त्वपूर्ण कौशल है। यह ऐसा अदृश्य कारक है जो कार्यकारियों, विदूषकों, राजनीतिज्ञों, मशहूर हस्तियों तथा अन्य बहुत से लोगों के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करता है। यह पुस्तक बॉडी लैंग्वेज पर अत्याधुनिक उद्धरण प्रस्तुत करती है।

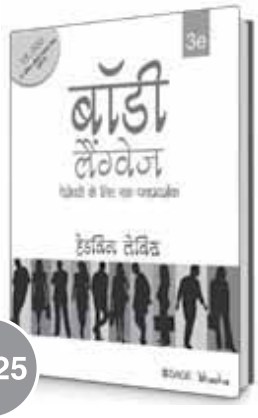

₹ 325

2016 | 252 pages
PB (978-93-515-0673-7)

लेखक के विषय में

हेडविग लेविस शिक्षाविद् एवं लेखक हैं, जिन्होंने प्राध्यापक और व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

9 ब्रांड शास्त्र : जगदीप कपूर

विजेता ब्रांड के निर्माण हेतु 9 सफल ब्रांड रणनीतियाँ

₹ 155

2015 | 93 pages
PB (978-93-515-0590-7)

विवरण

इस पुस्तक में ब्रांड जागरूकता एवं ब्रांड के मार्केट शेयर में वृद्धि, जैसे ब्रांड निर्माण के घटकों पर चर्चा की गई है। बोधगम्य एवं सरल प्रारूप के साथ यह पुस्तक मार्केटिंग व्यावसायियों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो उनके लिए 'अत्यावश्यक' है।

लेखक के विषय में

जगदीप कपूर समिस्का मार्केटिंग कंसलटेंट्स प्रा.लि. मुंबई

18 ब्रांड अस्त्र : जगदीप कपूर

ब्रांड विकसित करने के लिए क्रिप्स ब्रांड क्षमताओं को अस्त्र की भांति उपयोग में लाएं

₹ 155

2015 | 126 pages
PB (978-93-515-0586-0)

विवरण

मौजूदा प्रतिस्पर्धात्मक युग में विपणन किसी युद्ध की तरह है, जिसमें 18 ब्रांड अस्त्र ब्रांड की सफलता के कारकों का सरल और अमूल्य विश्लेषण प्रस्तुत करता है। बाजार विशेषज्ञ एवं सलाहकार, जगदीप कपूर ने ब्रांड की सफलता के लिए 18 क्षमताओं का वर्णन किया है।

लेखक के विषय में

जगदीप कपूर समिस्का मार्केटिंग कंसलटेंट्स प्रा.लि. मुंबई

24 ब्रांड मंत्र : जगदीप कपूर

उपभोक्ता के दिलो-दिमाग में स्थान बनाएं

₹ 155

2015 | 100 pages
PB (978-93-515-0588-4)

विवरण

यह पुस्तक अभ्यास आधारित एवं सारगर्भित है, और बाज़ार में विजय प्राप्ति हेतु मार्केटरों की मदद करती है। 24 ब्रांड मंत्र विपणन, विज्ञापन, प्रचार, बिक्री, वितरण, उत्पाद पोर्टफोलियो डिजाइन, मूल्य निर्धारण और ग्राहक सेवा सहित विपणन के सभी अत्यावश्यक तत्वों को प्रस्तुत करती है।

लेखक के विषय में

जगदीप कपूर समिस्का मार्केटिंग कंसलटेंट्स प्रा.लि. मुंबई

मराठी में भी उपलब्ध

कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता : दलीप सिंह

एक प्रोफेशनल गाइड, 4ई

विवरण

आज के बेहद तनावपूर्ण माहौल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पेशेवर सफलता प्राप्ति के निर्धारक गुण के तौर पर तेज़ी से पहचान मिली है। इस पुस्तक का पूर्णत: संशोधित चतुर्थ संस्करण, अपनी भावनाओं को पहचानने, समझने और उनके प्रबंधन में आवश्यक मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

लेखक के विषय में

दलीप सिंह हरियाणा कैडर के 1982 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं।

₹ 250

2015 | 200 pages
PB (978-93-859-8559-1)

विकास के लिए प्रशिक्षण : रॉल्फ पी. लिंटन । उदय पारीक

शीघ्र उपलब्ध

विवरण

यह पिछले 2 दशकों में घटित "परिवर्तन की गति" को दर्शाती है। इसमें प्रशिक्षण को कार्य में स्थायी सुधार लाने के लिए व्यवहार में बदलाव के साधन के रूप में प्रस्तुत किया है। यह प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी है।

लेखकों के विषय में

रॉल्फ पी. लिंटन को भारत, इंडोनेशिया, चीन, यूरोप और यूएसए में प्रशिक्षण और संस्थाओं को विकसित करने का लंबा अनुभव है। वे अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रोफ़ेसर रहे हैं।

उदय पारीक भारत में प्रशिक्षण और संगठन व्यवहार पर अग्रणी विशेषज्ञों में से एक थे।

₹ 450

2018 | 420 pages
PB (978-93-5280-449-8)

तनाव एवं कार्य : डी.एम. पेस्टनजी । सतीश पाण्डेय

तनाव को समझने एवं प्रबंधन संबंधी दृष्टिकोण

शीघ्र उपलब्ध

विवरण

प्रस्तुत पुस्तक तनाव की समस्या के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों एवं दृष्टिकोणों पर केन्द्रित हैं तथा विभिन्न व्यावसायिक परिस्थितियों से संबंधित अनुभव आधारित निष्कर्षों को प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक प्रबंधन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा व्यवहार-विज्ञान के शोधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए उपयोगी है।

लेखकों के विषय में

डी. एम. पेस्टनजी स्कूल ऑफ़ पेट्रोलियम मैनेजमेंट (एसपीएम), पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर में गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल) चेयर के प्रोफ़ेसर हैं।

सतीश पाण्डेय एसपीएम, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर में संगठन व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

₹ 475

2017 | 458 pages | PB

मराठी में भी उपलब्ध

सफलता के लिए जीवन कौशल : अलका वाडकर

शीघ्र उपलब्ध

₹ 475

2018 | 458 pages | PB

विवरण

यह पुस्तक, पाठकों को रोज़मर्रा की चुनौतियों जैसे तनाव, स्वास्थ्य, काम, व्यक्तिगत संबंध, संचार, हठधर्मिता और आत्मसम्मान के स्वरूपों से अवगत कराते हुए उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने में मदद करेगी। यह छात्रों को निजी और व्यावसायिक जीवन में सफलता दिलाने में मददगार होगी।

लेखक के विषय में

अलका वाडकर पूर्व शिक्षिका, मनोविज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय।

दलित और प्रजातान्त्रिक क्रान्ति : गेल ओमवेट

उपनिवेशीय भारत में डॉ. अम्बेडकर एवं दलित आन्दोलन

₹ 395

2015 | 343 pages
PB (978-93-515-0598-3)

विवरण

इस पुस्तक में उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ से 1956 में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की मृत्यु तक के दलित आन्दोलनों के इतिहास और इसके संगठनात्मक स्वरूप एवं विचारधारा के साथ-साथ 'वर्ग'संघर्षों तथा स्वतंत्रता संग्राम, दोनों पर इसके पारस्परिक प्रभाव का विश्लेषण है।

लेखक के विषय में

गेल ओमवेट अध्यक्ष, डॉ बी आर अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन एवं विकास विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

आधुनिक भारत में दलित : एस. एम. माइकल

दृष्टि एवं मूल्य, 2ई

₹ 395

2015 | 343 pages
PB (978-93-515-0594-5)

विवरण

यह द्वितीय एवं परिवर्धित संस्करण, अधिकारहीन दलितों की आकांक्षाओं एवं संघर्षों का पुनरावलोकन करती है तथा समानता, सामाजिक न्याय एवं मानवीय गरिमा पर आधारित मानवता पर विचार करती है। यह दलितों के रूपान्तरण के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक तत्वों की खोज करती है।

लेखक के विषय में

एस.एम. माइकल रीडर, समाजशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय तथा इन्स्टीट्यूट ऑफ इंडियन कल्चर के मानद् निदेशक

परदे से पिकाडिली तक : ज़रीना भट्टी

अपनी पहचान के लिए एक मुस्लिम महिला का संघर्ष

विवरण

बंटवारे से पहले के भारत में जन्मी एक मुस्लिम महिला ज़रीना भट्टी की ज़िंदगी पर आधारित यह क़िताब ऐसी औरत के अनुभवों को प्रस्तुत करती है, जिसने उसके समय के समाज द्वारा थोपी गई घिसी-पिटी भूमिका के विरुद्ध संघर्ष किया।

लेखक के विषय में

ज़रीना भट्टी इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर विमन्स स्टडीज़ (आईएडब्ल्यूएस), नई दिल्ली की पूर्व अध्यक्ष हैं।

₹ 250

2017 | 227 pages
PB (978-93-528-0168-8)

मराठी में भी उपलब्ध

भारत में सामाजिक आंदोलन : घनश्याम शाह

संबंधित साहित्य की एक समीक्षा, 2ई

विवरण

सामाजिक आन्दोलन मुख्यत: राजनीतिक एवं/अथवा सामाजिक परिवर्तन के लिए गैर-संस्थागत सामूहिक राजनीतिक प्रयास का एक रूप है। इस पुस्तक के पूर्णत: संशोधित संस्करण में 1857 से लेकर अब तक हुए सामाजिक आन्दोलनों से सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा एवं आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

लेखक के विषय में

घनश्याम शाह हॉलैंड्स इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी इन द ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस, वासेनार

₹ 395

2015 | 270 pages
PB (978-93-515-0600-3)

टूटे दर्पण : रॉबिन वायट

भारत में दहेज समस्या

विवरण

आखिर क्यों 21वीं सदी के एक दशक बाद भी 'दहेज मृत्यु' का भूत भारतीय समाज को भयभीत करता है? नाज़िया मसूद के साथ रॉबिन वायट इस समस्या की पड़ताल करते हैं और पाठकों से स्वाभाविकता से परे देखने की गुज़ारिश करते हैं।

लेखक के विषय में

रॉबिन वायट फ्रीलांस सोशल रिसर्च कंसल्टेंट

₹ 275

2017 | 218 pages
PB (978-93-859-8556-0)

मराठी में भी उपलब्ध

अनमोल बेटियां

पहली पीढ़ी की पेशेवर महिलाएं

एलिस डब्ल्यू. क्लार्क

₹ 250

2017 | 196 pages
PB (978-93-864-4664-0)

विवरण

यह पुस्तक शहरी भारत की ऐसी युवा महिलाओं के बीच जीवन पर्यंत चलने वाले करियर के लिए महत्वाकांक्षा के विस्तार की पड़ताल करती है, जो उच्च शिक्षा और शहरों में नौकरियां पाने के लिए अपनी पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकलकर बदलाव ला रही हैं।

लेखक के विषय में

एलिस डब्ल्यू. क्लार्क एक इतिहासकार और भारत में लिंग और समाज की विद्वान हैं। साथ ही वे यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया-बर्कली एक्सटेंशन में अनुदेशक भी रही हैं।

मराठी में भी उपलब्ध

हिंदुत्व-मुक्त भारत

दलित-बहुजन, सामाजिक-आध्यात्मिक और वैज्ञानिक क्रांति पर मंथन

कांचा अइलैय्या

₹ 250

2017 | 328 pages
PB (978-93-859-8545-4)

विवरण

उत्कृष्ट पुस्तक, व्हाय आई एम नॉट ए हिन्दू, के लेखक कांचा अइलैय्या, भारत में ब्राम्हणवाद एवं जाति व्यवस्था की समालोचना करते हुए इसकी विज्ञान-विरोधी एवं राष्ट्रवादी-विरोधी प्रवृत्ति के प्रत्यक्ष परिणाम के तौर पर हिंदुत्व के प्रयाण की आशंका व्यक्त करते हैं।

लेखक के विषय में

कांचा अइलैय्या मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, तेलंगाना

मराठी में भी उपलब्ध

भारत में दलित

एक समान नियति की तलाश

सुखदेव थोरात

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

₹ 350

2017 | 336 pages
PB (978-93-859-8544-7)

विवरण

यह पुस्तक मानव विकास और सामाजिक एवं आर्थिक सूचकों के भारत एवं राज्य स्तरीय विश्लेषण के जरिये देश में दलितों की स्थिति की पड़ताल करती है। यह दलितों को मुख्यधारा के विकास से अलग करने वाली प्रक्रियाओं एवं पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करती है।

लेखक के विषय में

सुखदेव थोरात अध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, और पूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

जननी : रिकी भट्टाचार्य

माँ, बेटियां, मातृत्व

₹ 250

2017 | 208 pages
PB (978-93-866-0227-5)

विवरण

जननी, या जीवन की निर्माता के रूप में माँ, इस कथा संग्रह का आधार है। यह लेखन, कला, शिक्षाजगत जैसे कार्यक्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के उन आत्मकथात्मक लेखों को प्रस्तुत करता है, जिनमें उन्होंने माँ, बेटी या दोनों होने के अनुभव साझा किए हैं।

संपादक के विषय में

रिकी भट्टाचार्य बिमल रॉय मेमोरियल कमेटी की निदेशक हैं। वे मुंबई में नामचीन पत्रकार और वृत्तचित्र निर्माता भी हैं।

भारत में घरेलू हिंसा : रिकी भट्टाचार्य

₹ 275

2017 | 256 pages
PB (978-93-5280-391-0)

विवरण

परिवार, प्रथा, मूल्यों, परम्पराओं के बंद दरवाजों के पीछे दबी हुई आतंकित आवाज़ें हैं, जो दहलीज के बाहर नहीं जा पातीं। महिला अधिकारों की कार्यकर्ता और घरेलू हिंसा की शिकार रही महिला द्वारा संपादित यह पुस्तक इन बंद दरवाजों के पीछे ले जाती है।

संपादक के विषय में

रिकी भट्टाचार्य जानी-मानी कला और सिनेमा आलोचक, लेखिका और फिल्म निर्माता हैं। वह मुंबई, भारत में रहती हैं। वह भारत के सबसे प्रगतिशील फिल्म निर्देशकों में से एक, बिमल रॉय की बेटी हैं।

धर्मनिरपेक्षता : माधव गोडबोले

दोराहे पर भारत

शीघ्र उपलब्ध

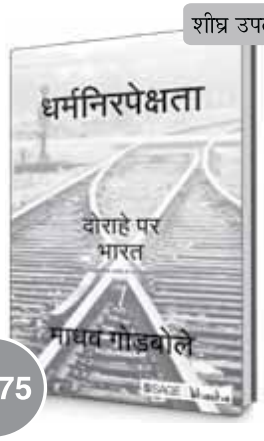

₹ 475

2017 | 463 pages | PB

विवरण

धर्मनिरपेक्षता की क्रियाशीलता को समर्पित यह पहली पुस्तक है। धर्मनिरपेक्षता के सशक्तिकरण हेतु लेखक ने कई सुझाव दिए हैं। यह पुस्तक देश के युवाओं, राजनीतिक दलों, विधि-निर्माताओं, पेशेवरों, शैक्षणिक समुदाय, मीडिया, सामाजिक विचारकों और राय-निर्माताओं के लिए पठनीय है।

लेखक के विषय में

माधव गोडबोले ने मार्च 1993 में भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। उस वक्त वे केंद्रीय गृह सचिव और न्याय सचिव के पद पर थे। वह पाँच वर्षों तक एशियाई विकास बैंक, मनीला में भी कार्यरत रहे।

भारत में जाति एवं प्रजाति : जी. एस. घुर्ये

5ई

शीघ्र उपलब्ध

₹ 295

2017 | 288 pages
PB (978-93-5280-443-6)

विवरण

यह पुस्तक समाजविज्ञान एवं मानवजाति विज्ञान के छात्रों के लिए मौलिक रचना रही है। यह उप-जातियों के उद्भव का विस्तार से वर्णन तथा जाति, उप-जाति एवं सगोत्रता का परीक्षण करती है। यह उदाहरणों के द्वारा जाति एवं राजनीति के संबंधों का विश्लेषण भी करती है।

लेखक के विषय में

जी.एस. घुर्ये मुंबई विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर थे। संस्कृत, भारतीय विद्या, मानवजाति विज्ञान एवं इतिहास के प्रतिभाशाली विद्वान रहे प्रो. घुर्ये को भारत तथा अन्य देशों से संबंधित अनेकों विषयों पर समाजशास्त्रीय साहित्य के प्रति उनके अमूल्य एवं मौलिक योगदानों के लिए जाना जाता है।

भारत में बौद्ध धर्म : गेल ओमवेट

ब्राह्मणवाद और जातिवाद को चुनौती

मराठी में भी उपलब्ध

शीघ्र उपलब्ध

₹ 295

2018 | 389 pages
PB (978-93-515-0675-1)

विवरण

इस पुस्तक में भारत में बौद्ध धर्म, ब्राह्मणवाद तथा जाति के 2500 वर्षों के विकास की पड़ताल की गई है। लेखिका ने बौद्ध धर्म के ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और दार्शनिक आयामों का विवरण देने के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों तथा आधुनिक साहित्य का उपयोग किया है।

लेखक के विषय में

गेल ओमवेट इग्नू (IGNOU) में सामाजिक परिवर्तन और विकास विषय पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर पीठ की प्रोफेसर हैं।

भारतीय इतिहास का अध्ययन : दामोदर धर्मानंद कोसंबी

एक परिचय, 2ई

शीघ्र उपलब्ध

₹ 325

2017 | 315 pages | PB

विवरण

लेखक ने पुस्तक के माध्यम से अनुसंधान के नए क्षेत्र खोले हैं, जो वैज्ञानिक ऐतिहासिक चिंतन के लिए महत्वपूर्ण हैं। पुस्तक स्मारकों, अभिलेखों आदि के परीक्षण से इतिहास की गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। पिछले कुछ दशकों में इसने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है।

लेखक के विषय में

दामोदर धर्मानंद कोसंबी (1907-1966) भारतीय इतिहास लेखन के क्षेत्र में बड़ी संख्या में विचारोत्तेजक पुस्तकों के लेखक हैं। उनका कार्य भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मराठी में भी उपलब्ध

बोस बंधु और भारतीय स्वतंत्रता : माधुरी बोस

एक क़रीबी का विवरण

विवरण

यह पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम में शरत और सुभाष चंद्र बोस की भूमिका का इतिहास प्रस्तुत करती है। इसका स्रोत अमीय नाथ बोस के निजी वृत्तांत हैं, जो उनके राजनीतिक सहयोगी एवं बेहद क़रीबी होने के अलावा विश्वासपात्र एवं भरोसेमंद दूत भी थे।

लेखक के विषय में

माधुरी बोस शरत चंद्र बोस और सुभाष चंद्र बोस की पोती हैं। वे जेनेवा व पूर्वी अफ्रीका की संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और लंदन के कॉमनवेल्थ सचिवालय से जुड़ी मानव अधिकार वकील हैं।

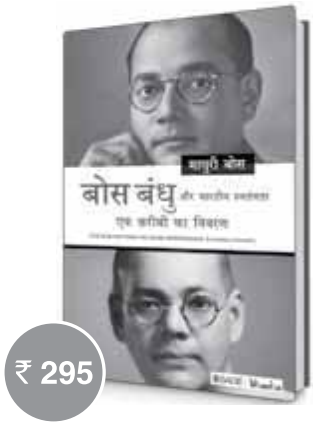

₹ 295

2016 | 280 pages
PB (978-93-859-8549-2)

मृत्यु कष्टदायी न थी : धीरेन्द्र एस. जफ़ा

1971 युद्ध की भारतीय फ़ाइटर पायलट्स की आपबीती कथाएँ

विवरण

यह पुस्तक उस पूर्व भारतीय फ़ाइटर पायलट की सच्ची कहानी है, जिसे 1971 भारत-पाक/बांग्लादेश लिबरेशन वॉर के दौरान बंदी बनाया गया था। इसमें फ़ाइटर पायलट्स के साहसिक जीवन के साथ-साथ युद्ध की भयावह हक़ीकतों पर सैनिकों की प्रतिक्रियाएं वर्णित हैं।

लेखक के विषय में

धीरेन्द्र सिंह जफ़ा विंग कमांडर (रिटा.), भारतीय वायु सेना, को 1971 में हुई लड़ाई के दौरान पाकिस्तान में युद्धबन्दी बनाया गया था। रणभूमि में उनके साहस के लिए उन्हें वीर चक्र से नवाज़ा गया।

₹ 250

2017 | 254 pages
PB (978-93-859-8547-8)

गाँधी बोध : उषा ठक्कर । जयश्री मेहता

गाँधीवादियों के साथ फ्रेड जे ब्लूम का संवाद

शीघ्र उपलब्ध

विवरण

यह पुस्तक महात्मा गाँधी के निकटतम 6 सहयोगियों, जेबी कृपालानी, रेहना तैयबजी, दादा धर्माधिकारी, सुशीला नायर, झवेर पटेल और सुचेता कृपलानी, के साक्षात्कारों का संकलन है। साक्षात्कार स्वतंत्रता के बाद भारत में हुए परिवर्तनों के प्रकाश में गाँधी के विचारों को प्रतिबिंबित करते हैं।

लेखकों के विषय में

उषा ठक्कर मणि भवन गाँधी संग्रहालय, मुंबई की अध्यक्ष हैं। वे एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई के राजनीति विज्ञान विभाग में प्रोफ़ेसर और प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं।

जयश्री मेहता, मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इंडिया की अध्यक्ष हैं। सुमनदीप विद्यापीठ विश्वविद्यालय, गुजरात की कुलपति भी रही हैं।

₹ 600

2017 | 601 pages
PB (978-93-5280-455-9)

भारतीय सेना में नेतृत्व : मेजर जनरल वी. के. सिंह

12 सैनिकों की जीवनी

शीघ्र उपलब्ध

₹ 450

2018 | 438 pages
PB (978-93-515-0689-8)

विवरण

यह पुस्तक भारत में सैन्य नेतृत्व के 60 से अधिक वर्षों की अवधि के दौरान के 12 असाधारण सैन्य अधिकारियों के मानवीय पहलुओं को उजागर करती है। पुस्तक बहुत-सी ऐतिहासिक घटनाओं और आज़ादी की लड़ाई के दौरान नेताओं की भूमिका एवं विभाजन पर नवीन दृष्टिकोण प्रदान करती है।

लेखक के विषय में

मेजर जनरल वी. के. सिंह ने जून, 1965 में भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से शिक्षा प्राप्त करने के बाद कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स से शुरुआत की। अपने 37 वर्षों के करियर में उन्होंने पश्चिमी कमान के प्रमुख सिग्नल ऑफ़िसर सहित विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

दिल्ली था जिसका नाम : इन्तिज़ार हुसैन । शुभम मिश्र (अनुवादक)

₹ 395

2016 | 220 pages
PB (978-93-515-0892-2)

विवरण

किसी इतिहासकार ने खूब कहा है कि सिकंदर के ज़माने से, जिन्होंने दिल्ली त्रिकोण पर फ़तेह पाई या यहाँ डेरा डाला अगर उन सबको पढ़ा जाए तो यूँ समझ लीजिये कि आपने पूरी दुनिया के इतिहास की एक वैकल्पिक लिखावट की पढाई कर ली। दिल्ली था जिसका नाम, इन्तिज़ार साहब की ऐसी ही एक कोशिश है। अनेकों बार उजड़ने सँवरने की इस दास्तान में राजे-महाराजे तो अपने महल-महलात में विराजमान हैं ही, उनकी रियाया के रंग-ढंग का भी ख़ूब सूरतनक़्शा है।

प्राचीन भारत की अवधारणा : उपिंदर सिंह

धर्म, राजनीति एवं पुरातत्व विज्ञान पर निबंधों का संकलन

शीघ्र उपलब्ध

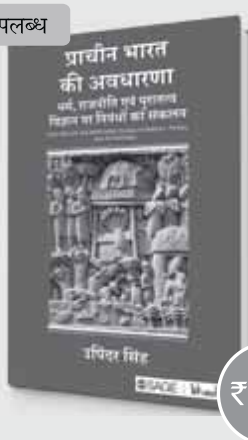

₹ 525

2018 | 508 pages
PB (978-93-5280-458-0)

विवरण

यह पुस्तक प्राचीन भारत को समझने पर केंद्रित विभिन्न दृष्टिकोणों एवं मुद्दों की दिशा में अहम योगदान है। यह पुस्तक प्राचीन भारतीय इतिहास के लेखन के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों, विचार-विमर्श और कार्यप्रणालियों के साथ जुड़ी हुई है।

लेखक के विषय में

उपिंदर सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।

बूंद में सागर

अशरफ़ पटेल । मीनू वेंकटेश्वरन । कामिनी प्रकाश । अर्जुन शेखर

युवा नेतृत्व की गहरी पड़ताल

₹ 195

2016 I 234 pages
PB (978-93-859-8546-1)

विवरण

बूंद में सागर, अतीत में युवाओं के योगदान की पड़ताल करती है और उन्हें दोबारा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का सुझाव देती है। इस पुस्तक में तर्क दिया गया है कि, राष्ट्र निर्माण हेतु युवाओं को एक बार फिर आगे आने की आवश्यकता है।

लेखकों के विषय में

अशरफ़ पटेल संस्थापक सदस्य, प्रवाह एंड कम्युटिनी – द यूथ कलेक्टिव, नई दिल्ली
मीनू वेंकटेश्वरन संस्थापक सदस्य, प्रवाह एंड कम्युटिनी – द यूथ कलेक्टिव, नई दिल्ली
कामिनी प्रकाश निदेशक, रिसर्च फंक्शन, प्रवाह, नई दिल्ली
अर्जुन शेखर संस्थापक सदस्य, प्रवाह एंड कम्युटिनी – द यूथ कलेक्टिव, नई दिल्ली

मराठी में भी उपलब्ध

सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए कौशल प्रशिक्षण

सुधा दातार । रुमा बाविकर । गीता राव। नागमणि राव । उज्ज्वला मस्देकर

एक निर्देश पुस्तिका

₹ 350

2017 I 286 pages
PB (978-93-864-4626-8)

विवरण

यह पुस्तक समाज कार्य के शिक्षकों और छात्रों के लिए स्वदेशी पाठ्यपुस्तक व शिक्षण सामग्री की मांग पूरी करती है। समाज कार्य की विधियों के लिए आवश्यक कौशलों के विकास के लिए इस निर्देश पुस्तिका में ठोस अभ्यास दिए गए हैं।

संपादकों के विषय में

सुधा दातार कर्वे समाज सेवा संस्था (केआईएसएस), पुणे की सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षिका थीं।
रुमा बाविकर केआईएसएस, पुणे में एसोसिएट प्रोफ़ेसर रह चुकी हैं।
गीता राव केआईएसएस, पुणे में एसोसिएट प्रोफ़ेसर रह चुकी हैं।
नागमणि राव केआईएसएस, पुणे में एसोसिएट प्रोफ़ेसर रह चुकी हैं।
उज्ज्वला मस्देकर केआईएसएस, पुणे में एसोसिएट प्रोफ़ेसर हैं।

भारत में राजनीतिक आंदोलनों का समकालीन इतिहास

अजय गुडावर्थी

नागरिक समाज के बाद की राजनीति

शीघ्र उपलब्ध

₹ 275

2017 I 294 pages
PB (978-93-859-8550-8)

विवरण

यह पुस्तक हमारे समय के पांच सर्वाधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक आंदोलनों के विस्तृत इतिहास का अध्ययन करती है। यह पुस्तक उन विविध रणनीतियों को सामने लाती है, जिनके माध्यम से ये आंदोलन नागरिक-समाज के बाद की नई राजनीति की ओर धकेले जा रहे हैं।

लेखक के विषय में

अजय गुडावर्थी नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फ़ॉर पॉलिटिकल स्टडीज़ में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं।

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन : बिद्युत चक्रवर्ती । राजेन्द्र कुमार पाण्डेय

विचार व संदर्भ

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

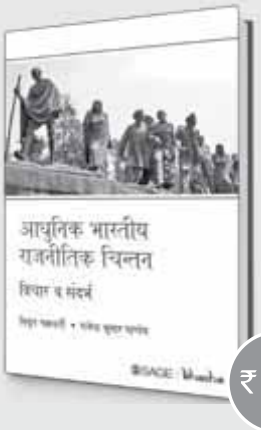

₹ 395

2015 | 453 pages
PB (978-93-515-0582-2)

विवरण

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन, उन छात्रों के लिए पठनीय है जो महान भारतीय राजनीतिक विचारकों की सोच एवं विषय-वस्तु से अवगत होना चाहते हैं। यह भारत में राजनीतिक चिन्तन की अपरंपरागत अभिव्यक्ति है, जिसका अभ्युदय उपनिवेशवाद के विरुद्ध राष्ट्रवादी संघर्ष के दौरान हुआ था।

लेखकों के विषय में

बिद्युत चक्रवर्ती प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

राजेन्द्र कुमार पाण्डेय जामिया हमदर्द, नई दिल्ली

मराठी में भी उपलब्ध

भारतीय प्रशासन : बिद्युत चक्रवर्ती । प्रकाश चंद

विकास एवं पद्धति

शीघ्र उपलब्ध

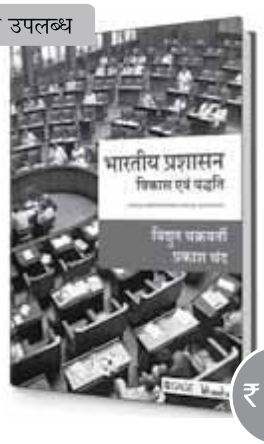

₹ 400

2017 | 388 pages
PB (978-93-866-0234-3)

विवरण

यह पुस्तक स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लोक प्रशासन की संवृद्धि और विकास के समीक्षात्मक विश्लेषण के जरिये इस क्षेत्र के नए मुद्दों, चुनौतियों को संबोधित करती है, साथ ही भारतीय प्रशासनिक प्रणाली के ऐतिहासिक दृष्टिकोण से प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालती है।

लेखकों के विषय में

बिद्युत चक्रवर्ती प्रोफ़ेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाश चंद, सहायक प्रोफ़ेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दयाल सिंह (ई) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

मराठी में भी उपलब्ध

वैश्वीकृत दुनिया में लोक प्रशासन : बिद्युत चक्रवर्ती । प्रकाश चंद

सिद्धांत और पद्धतियां

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

शीघ्र उपलब्ध

₹ 625

2018 | 617 pages | PB

विवरण

यह पुस्तक वैश्वीकरण के दौर में लोक प्रशासन में हुए विकास का अध्ययन है। यह नागरिक समाज और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में हुए बदलावों के आधार पर शासन को समझने संबंधी मुद्दों पर केंद्रित है। लोक प्रशासन और विभिन्न लोकसेवा परीक्षाओं के छात्रों के लिए उपयोगी।

लेखकों के विषय में

बिद्युत चक्रवर्ती प्रोफ़ेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाश चंद सहायक प्रोफ़ेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दयाल सिंह (ई) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

पहला नक्सली : बप्पादित्य पॉल

कानू सान्याल की अधिकृत जीवनी

विवरण

यह पुस्तक कानू सान्याल की पूरी कहानी बयान करती है। यह पुस्तक एक विद्रोही के रूप में सान्याल की क्रमागत उन्नति पर विशद जानकारी प्रदान करती है और नक्सली आंदोलन की पृष्ठभूमि की प्रासंगिक जानकारी के साथ उसके विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालती है।

लेखक के विषय में

बप्पादित्य पॉल न्यूज़मेन, कोलकाता के संपादक हैं

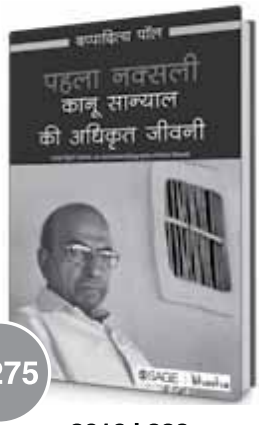

₹ 275

2016 | 228 pages
PB (978-93-859-8551-5)

चरण सिंह और कांग्रेस राजनीति : पॉल ब्रास

एक भारतीय राजनीतिक जीवन (1937 से 1961 तक)

विवरण

यह पुस्तक 1935 से 1961 के दौर की राजनीति में चरण सिंह की भूमिका पर केंद्रित है। उस समय के बड़े मुद्दों, विवादों और गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा भी इसमें दिया गया है।

लेखक के विषय में

पॉल आर. ब्रास प्रोफेसर (अवकाश प्राप्त), राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीएटल, यूएसए

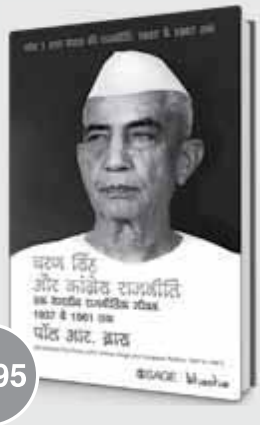

₹ 495

2017 | 608 pages
PB (978-93-515-0896-0)

चरण सिंह और कांग्रेस राजनीति : पॉल आर. ब्रास

एक भारतीय राजनीतिक जीवन, 1957 से 1967 तक

शीघ्र उपलब्ध

विवरण

लेखक के चरण सिंह के साथ व्यक्तिगत संबंधों पर आधारित यह खंड चरण सिंह के कांग्रेस के प्रति असंतोष के बारे में बताता है, जो नेहरू और उनकी बेटी के उनके प्रति विरोध और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पतन के साथ बढ़ता गया।

लेखक के विषय में

पॉल आर. ब्रास वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सीएटल, यूएसए में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के प्रोफ़ेसर (अवकाश प्राप्त) हैं।

₹ 550

2017 | 533 pages
PB (978-93-5280-452-8)

लोकतंत्र का पतन : फ़िलिप कॉटलर

भविष्य का पुनर्निर्माण

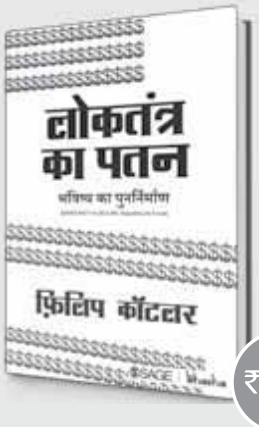

₹ 250

2017 | 184 pages
PB (978-93-864-4698-5)

विवरण

इस पुस्तक में लेखक तर्क देते हैं कि लोकतंत्र गंभीर ख़तरे में है। राजनीति में अत्यधिक पैसा लोकतंत्र को प्रभावित कर रहा है। मतदान प्रणाली दोषपूर्ण हो चुकी है और आवश्यक बदलाव नहीं आ रहा है। कॉटलर इस निराशाजनक स्थिति के लिए संभावित समाधान सुझाते हैं।

लेखक के विषय में

फ़िलिप कॉटलर केलॉग स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की एस.सी. जॉनसन एंड सन पीठ में इंटरनेशनल मार्केटिंग विषय के विशिष्ट प्रोफ़ेसर हैं।

मराठी में भी उपलब्ध

आधुनिक भारत में राजनीतिक विचार : थॉमस पंथम । केनेथ एल डॉयच्च

₹ 400

2017 | 372 pages
PB (978-93-515-0677-5)

विवरण

इस पुस्तक में प्रबुद्ध लेखकों द्वारा लिखे गए बीस मौलिक निबंधों के माध्यम से आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन के मुख्य पहलुओं का एक समग्र विश्लेषण किया गया है। यह आधुनिक राजनीतिक दर्शन में प्रमुख योगदान है। राजनीतिशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए बहुमूल्य।

संपादकों के विषय में

थॉमस पंथम एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा से जुड़े रहे हैं।

केनेथ एल डॉयच्च न्यूयार्क विश्वविद्यालय, जेनेसिओ में राजनीतिशास्त्र के प्रोफ़ेसर थे।

मराठी में भी उपलब्ध

भारत का संविधान, वृत्तिक आचारनीति और मानव अधिकार : प्रवीणकुमार मेल्लल्ली

₹ 300

2017 | 222 pages
PB (978-93-866-0207-7)

विवरण

यह पुस्तक भारत के संविधान, मूल मानव अधिकारों और व्यावहारिक वृत्तिक (व्यावसायिक) आचारनीति का व्यापक विहंगावलोकन प्रदान करती है। यह इन विषयों को समझना आसान बनाती है और प्रभावशाली ढंग से संविधान से जुड़े उद्देश्यों और निष्कर्षों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में मददगार है।

लेखक के विषय में

प्रवीणकुमार मेल्लल्ली सहायक प्रोफ़ेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

मराठी में भी उपलब्ध

भारत की विदेश नीति : राजीव सीकरी

चुनौती और रणनीति

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

₹ 375

2017| 330 pages
PB (978-93-515-0687-4)

विवरण

यह पुस्तक भारत की विदेश नीति की आलोचना करने और विकल्प सुझाने का साहसिक प्रयास है। यह भारत की विदेश नीति से जुड़े अधिकारी वर्ग की चिंताओं को सामने लाती ही है साथ ही नई दिल्ली की बंद परिषदों की बहसों की झलक प्रस्तुत करती है।

लेखक के विषय में

राजीव सीकरी भारतीय विदेश सेवा में 36 वर्षों से अधिक समय तक राजनयिक रहे हैं और वह भारत के विदेश मंत्रालय में सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। वर्तमान में वे एक स्वतंत्र रणनीतिक सलाहकार के तौर पर कार्य कर रहे हैं।

सुशासन : एन. भास्कर राव

भ्रष्टाचार-मुक्त लोक सेवाओं का प्रदाता

₹ 325

2016 | 360 pages
PB (978-93-859-8548-5)

विवरण

बड़े पैमाने पर आयोजित क्षेत्रीय सर्वेक्षण पर आधारित सुशासन, सार्वजनिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए नागरिकों द्वारा प्रोत्साहित भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति की प्राथमिक समीक्षा करती है, और सुशासन के क्रियान्वयन के तरीकों पर व्यावहारिक सुझाव प्रदान करती है।

लेखक के विषय में

एन. भास्कर राव संस्थापक-अध्यक्ष, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली, भारत, और संस्थापक-अध्यक्ष, मार्केटिंग एंड डेवलपमेंट रिसर्च एसोसिएट्स, नई दिल्ली, भारत

मराठी में भी उपलब्ध

मूल्यों की पुन:स्थापना : ई. श्रीधरन । भरत वख्लू

ईमानदारी, नैतिक व्यवहार और सुशासन की कुंजी

₹ 250

2017 | 239 pages
PB (978-93-5280-378-1)

विवरण

यह पुस्तक देश को नैतिक राष्ट्र के रूप में आकार देने का आवाहन है। इसके लेख भारत के उन प्रख्यात विचारकों और नेतृत्वकर्ताओं ने लिखे हैं, जिन्हें ईमानदारी के साथ जीने व कार्य करने की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है।

संपादकों के विषय में

ई. श्रीधरन दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रमुख सलाहकार और पूर्व प्रबंध निदेशक हैं।

भरत वख्लू द वख्लू एडवाइज़री के अध्यक्ष हैं।

मानव तस्करी से संघर्ष : वीरेन्द्र मिश्रा

नीति और कानून में कमियां

₹ 275

2017 | 320 pages
PB (978-93-859-8557-7)

विवरण

यह पुस्तक मानव तस्करी के विषय पर नए सिरे से परिचर्चा आरंभ करते हुए इस अंतरराष्ट्रीय अपराध पर अंकुश लगाने हेतु सुझाव देती है। इस समस्या के समाधान के लिए, यह पुस्तक इस अपराध के विभिन्न आयामों का अन्वेषण एवं वर्गीकरण करती है।

लेखक के विषय में

वीरेन्द्र मिश्रा सचिव, केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा), महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

आर्थिक सुधार और सामाजिक अपवर्जन : के. एस. चलम

भारत में उपेक्षित समूहों पर उदारीकरण का प्रभाव

₹ 250

2017 | 250 pages
PB (978-93-859-8553-9)

विवरण

इस पुस्तक में उदारीकरण के उपरांत उपेक्षित एवं बहिष्कृत समूहों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। इसमें पड़ताल की गई है कि कैसे उदार आर्थिक सुधारों ने सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों, जाति, जनजाति एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों को और भी वंचित कर दिया है।

लेखक के विषय में

के. एस. चलम राजनीतिक अर्थशास्त्री एवं शिक्षाविद, पूर्व सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली

भारत 2050 : रामगोपाल अग्रवाल

स्थायी समृद्धि की योजना

₹ 350

2017 | 424 pages
PB (978-93-859-8552-2)

विवरण

क्या भारत 2050 में उच्च-आय वाले देश का दर्जा प्राप्त कर सकता है? क्या देश में मानव विकास की स्थिति बेहतर होगी? यह पुस्तक संचार, व्यापार सेवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, शोध और नवप्रवर्तनों के नेतृत्व में व्यापार-उन्मुख सेवा क्षेत्र की केंद्रीयता पर बल देती है।

लेखक के विषय में

रामगोपाल अग्रवाल अध्यक्ष, पहले इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली

मराठी में भी उपलब्ध

विकास का अर्थशास्त्र : सैय्यद नवाब हैदर नक़वी

समावेशी संवृद्धि की ओर

विवरण

यह पुस्तक विकास तथा समावेशी संवृद्धि के तत्वों पर समीक्षात्मक दृष्टिकोण से चर्चा करती है। यह तर्क देती है कि संवृद्धि, आय वितरण और निर्धनता कम करने पर अलग-अलग ध्यान देने के बजाय विकास नीतियों का उद्देश्य समावेशी संवृद्धि होना चाहिए।

लेखक के विषय में

सैय्यद नवाब हैदर नक़वी एचईसी गणमान्य राष्ट्रीय प्रोफेसर, फेडरल उर्दू यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इस्लामाबाद।

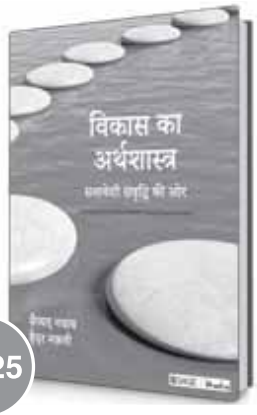

₹ 325

2016 | 290 pages
PB (978-93-864-4636-7)

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण : किरण वडेहरा । जॉर्ज कोरेथ

उपलब्धि अभिप्रेरणा के माध्यम से सूक्ष्म-उद्यम

विवरण

यह किताब उन निर्धन, ग्रामीण, महिला उद्यमियों पर मौलिक शोध के जरिए अध्ययन करती है, जिनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा (अचीवमेंट मोटीवेशन) को बारीकी से मापा गया है। यह उपलब्धि अभिप्रेरणा की उपस्थिति/अनुपस्थिति और महिलाओं की उद्यम में सफलता/असफलता में संबंध स्थापित करती है।

लेखकों के विषय में

किरण वडेहरा एकॉर्ड एशिया संस्था के बोर्ड की सदस्य एवं कोरेथ कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में सह-संस्थापक और निदेशक हैं।

जॉर्ज कोरेथ एकॉर्ड एशिया संस्था के सह-संस्थापक सदस्य, अध्यक्ष एवं कोरेथ कंसल्टिंग लिमिटेड के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं।

₹ 250

2017 | 235 pages
PB (978-93-864-4623-7)

भारत में सूक्ष्म वित्त : के. जी. करमाकर

विवरण

यह पुस्तक सूचनाप्रद होने के अलावा हमें देश में सूक्ष्म वित्त की समग्र स्थिति से अवगत कराती है और इस क्षेत्र के भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। निबंधों में भारत में प्रगतिशील सूक्ष्म वित्त क्षेत्र की जटिलताओं को उजागर किया गया है।

संपादक के विषय में

के.जी. करमाकर को भारतीय स्टेट बैंक, रिज़र्व बैंक एवं राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक में बतौर कार्यकारी कार्य करने का 36 वर्षों का अनुभव है।

₹ 525

2017 | 513 pages
PB (978-93-5280-394-1)

मराठी में भी उपलब्ध

ग्रामीण विकास : कटार सिंह । अनिल शिशोदिया

सिद्धांत, नीतियाँ एवं प्रबंध, 4ई

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

शीघ्र उपलब्ध

₹ 400

2018 I 386 pages
PB (978-93-5280-022-3)

विवरण

यह पुस्तक ग्रामीण विकास की बुनियादी अवधारणाओं, नीतिगत उपकरणों, रणनीतियों, नीतियों, कार्यक्रमों तथा ग्रामीण विकास प्रबंधन से संबंधित विषयों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है। यह विकास के लिए मानव संसाधन की साध्य एवं साधन, दोनों रूप में निर्णायक भूमिका पर जोर देती है।

लेखकों के विषय में

कटार सिंह पूर्व निदेशक, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद (आईआरएमए), गुजरात

अनिल शिशोदिया इंफ़ॉर्मेशन/रिफ़रेंस सर्विस डिपार्टमेंट, कैलगरी पब्लिक लाइब्रेरी, कनाडा

मराठी में भी उपलब्ध

भारतीय मीडिया व्यवसाय : वनिता कोहली-खांडेकर

4ई

₹ 475

2017 I 460 pages
PB (978-93-515-0685-0)

विवरण

यह पुस्तक भारत में मीडिया व्यवसाय के खंडों प्रिंट, टेलीविज़न, फ़िल्म, संगीत, रेडियो, डिजिटल, आउट-ऑफ़-होम और इवेंट्स पर विस्तृत विश्लेषण प्रदान करती है। इस पुस्तक को मीडिया पेशेवरों, छात्रों, भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन व्यवसाय के निवेशकों को अवश्य पढ़ना चाहिए।

लेखक के विषय में

वनिता कोहली-खांडेकर मीडिया विशेषज्ञ और लेखिका हैं।

मराठी में भी उपलब्ध

विकास के लिए संचार : श्रीनिवास आर. मेलकोटे । एच. लेस्ली स्टीव्स

सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के लिए सिद्धांत और प्रयोग, 3ई

₹ 600

2018 I 596 pages I PB

विवरण

यह पुस्तक विकास संचार के इतिहास तथा वर्तमान का वर्णन, विभिन्न दृष्टिकोणों तथा उनके समर्थकों की प्रत्यालोचना और नई शताब्दी में विकास संचार के लिए विचार व प्रारूप प्रदान करती है। यह विकास संचार, जन संचार और मीडिया अध्ययनों, पत्रकारिता के छात्रों के लिए उपयोगी है।

लेखकों के विषय में

श्रीनिवास आर. मेलकोटे स्कूल ऑफ़ मीडिया एंड कम्यूनिकेशन, बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहायो, यूएसए के टेलीकम्यूनिकेशन्स विभाग में प्रोफ़ेसर हैं।

एच. लेस्ली स्टीव्स स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड कम्यूनिकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओरेगन, यूजीन, यूएसए के ग्रेजुएट अफ़ेयर्स एंड रिसर्च विभाग में प्रोफ़ेसर और एसोसिएट डीन हैं।

शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन : मर्मर मुखोपाध्याय

विवरण

इस पुस्तक में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में टीक्यूएम के वास्तविक कार्यान्वयन में लेखक के बहुमूल्य अनुभव शामिल हैं। उन्होंने टीक्यूएम की विधि एवं विचार को शिक्षा के अनुरूप बनाया और इसे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ दिया।

₹ 350

लेखक के विषय में

मर्मर मुखोपाध्याय अध्यक्ष, शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन अकादमी, गुड़गांव, हरियाणा

2015 | 350 pages
PB (978-93-515-0596-9)

दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग में गुणवत्ता : इंसूंग जुंग । तात मेंग वांग । तिआन बेलावाती

एशिया में चुनौतियां और समाधान

विवरण

एशिया के चुनिंदा 16 डिस्टेंस एजुकेशन/ई-लर्निंग संस्थानों के अनुभव पर आधारित यह पुस्तक डिस्टेंस एजुकेशन में गुणवत्ता आश्वासन तंत्र का समावेश करने वाले नियामक ढांचे की जानकारी देती है और संबंधित उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में चुनौतियों का विश्लेषण कर संभावित हल देती है।

₹ 375

संपादकों के विषय में

इंसूंग जुंग अंतरराष्ट्रीय क्रिश्चियन विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान में व्याख्याता हैं।

तात मेंग वांग वावासान एशियन एसोसिएशन ऑफ़ ओपन यूनिवर्सिटीज़ के अध्यक्ष पद पर रहे हैं।

तिआन बेलावाती इंटरनेशनल काउंसिल फ़ॉर ओपन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (आईसीडीई) के अध्यक्ष हैं।

2017 | 308 pages
PB (978-93-864-4629-9)

पर्यावरण शिक्षण : चोंग शिमरे

भारत में रुझान एवं प्रयोग

शीघ्र उपलब्ध

विवरण

यह पुस्तक पर्यावरण शिक्षा की बुनियादी समझ के साथ ही स्कूल के पाठ्यक्रम में इसके समावेश के लिए मूल्यवान दिशानिर्देश प्रदान करती है। यह स्कूली पाठ्यक्रम में एक आवश्यक घटक के रूप में पर्यावरण शिक्षा के महत्व को स्थापित करती है।

₹ 325

लेखक के विषय में

चोंग शिमरे एसोसिएट प्रोफ़ेसर, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद् और प्रशिक्षण (एनसीईआरटी), नई दिल्ली।

2017 | 315 pages
PB (978-93-5280-437-5)

भारतीय उच्च शिक्षा के पांच दशक : पवन अग्रवाल

फ़िलिप जी. अल्ट्बाख़ के निबंधों का संकलन

शीघ्र उपलब्ध

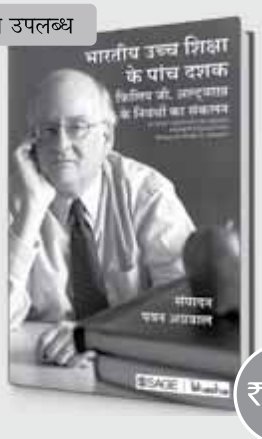

₹ 675

2018 I 659 pages
PB (978-93-5280-446-7)

विवरण

इस पुस्तक में फ़िलिप जी. अल्ट्बाख़ की 34 रचनाओं का संकलन है। इन लेखों के माध्यम से ऐसे कई मुद्दों का अमूल्य विश्लेषण किया गया है, जिसने पिछले पांच दशकों की अवधि में भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को आकार दिया है।

संपादक के विषय में

पवन अग्रवाल वर्तमान में भारत के योजना आयोग में बतौर उच्च शिक्षा सलाहकार सेवारत हैं। इससे पहले वे मानव संसाधन मंत्रालय में निदेशक के पद पर पदस्थ रह चुके हैं।

आरंभिक वर्षों की शिक्षा में विविधता, विशेष आवश्यकताएँ और समावेशन : सोफिया दिमित्रियादी

शीघ्र उपलब्ध

₹ 300

2017 I 273 pages
PB (978-93-5280-434-4)

विवरण

यह पुस्तक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अन्य बच्चों से पृथक करने के बजाय शिक्षण की विधियों में परिवर्तन के ज़रिये शैक्षणिक संस्थानों में सभी के समावेशन हेतु तर्क प्रस्तुत करती है। पुस्तक में विभिन्न देशों के मामलों के अध्ययन भी दिए गए हैं।

लेखक के विषय में

सोफिया दिमित्रियादी अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन विभाग, एथेंस यूनिवर्सिटी ऑफ़ एप्लाइड साइंस, ग्रीस में अर्ली ईयर्स एजुकेशन विषय की व्याख्याता हैं।

अधिगम अक्षमता : एस. पी. के. जेना

सिद्धांत से प्रयोग तक

₹ 300

2018 I 300 pages I PB

विवरण

यह पुस्तक अधिगम अक्षमता के निवारण के सिद्धांतों और मौजूदा प्रयोगों पर नई जानकारियां प्रदान करती है तथा विभिन्न मामलों के अध्ययनों के ज़रिये हस्तक्षेप की दो प्रमुख तकनीकों, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा और कंप्यूटर की मदद से निर्देश, की चिकित्सीय प्रभावशीलता को दर्शाती है।

लेखक के विषय में

एस. पी. के. जेना प्रयोगात्मक मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस, नई दिल्ली में एसोसिएट प्रोफ़ेसर हैं।

चिन्ता विकार : विमला वीरराघवन । शालिनी सिंह

मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं उपचार

शीघ्र उपलब्ध

₹ 250

विवरण

इस पुस्तक में चिन्ता विकार के निदान की कई चिकित्सकीय पद्धतियों का वर्णन है। यह विभिन्न रणनीतियों के संयोजन की प्रभावशीलता को दर्शाती है, जो इस विकृति से जूझ रहे व्यक्तियों में इसके लक्षणों को दूर करने और पुनरावृत्ति को रोकने में सक्षम हैं।

लेखकों के विषय में

विमला वीरराघवन मनोविज्ञान एवं अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैम्पस) की प्रमुख रह चुकी हैं।

शालिनी सिंह अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैम्पस) में व्याख्याता रह चुकी हैं।

2017 | 187 pages
PB (978-93-5280-388-0)

स्क्वेटिंग विद डिगनिटी : कुमार आलोक

भारत में स्वच्छता अभियान

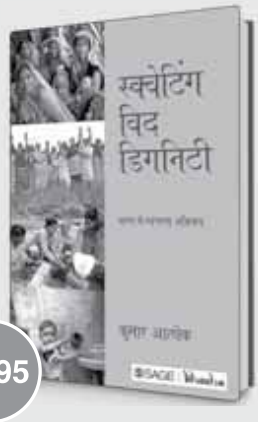

₹ 395

विवरण

यह पुस्तक भारत में ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम के आरम्भिक दौर की सफलताओं व चुनौतियों का विश्लेषण करती है, जिसमें पिछले दशक की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह पुस्तक स्वच्छता नीति के विकास का ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करती है।

लेखक के विषय में

कुमार आलोक विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, दिल्ली, भारत

2015 | 404 pages
PB (978-93-515-0592-1)

वन लिटिल फिंगर : मालिनी चिब

नागरिक समाज के बाद की राजनीति

₹ 250

विवरण

यह पुस्तक मालिनी चिब की आत्मकथा है – एक ऐसी महिला जिसने पूर्णत: अशक्त कर देने वाली विकलांगता और समाज की उदासीनता के बावजूद सभी कठिनाइयों को चुनौती देते हुए खुद को इन परिस्थितियों से बाहर निकालने में सफलता पाई।

लेखक के विषय में

मालिनी चिब मुंबई के ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक हैं और एडैप्ट (एबल डिसएबल ऑल पीपल टुगैदर) राईट्स ग्रुप की सह-अध्यक्ष तथा संस्थापक भी हैं।

2015 | 204 pages
PB (978-93-515-0683-6)

पर्यावरण बोध : किरण बी. चोकर । ममता पंड्या । मीना रघुनाथन

शीघ्र उपलब्ध

₹ 395

2018 | 435 pages | PB

विवरण

पर्यावरण विज्ञान में आधार और स्नातक पाठ्यक्रमों की मूल पाठ्यपुस्तक के तौर पर तैयार की गई यह किताब, छात्रों को पर्यावरण एवं संवहनीय विकास से संबंधित वैज्ञानिक अवधारणाओं से अवगत कराती है। इसे भारतीय संदर्भ को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

संपादकों के विषय में

किरण बी. चोकर सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) में हायर एजुकेशन प्रोग्राम की प्रमुख रही हैं। वर्तमान में वे स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड एजुकेशन, नई दिल्ली में बतौर अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं।

ममता पंड्या सीईई में इंस्ट्रक्शनल डिज़ाइन प्रोग्राम की प्रमुख रही हैं। वर्तमान में वे स्वतंत्र शिक्षा-संचार सलाहकार और संपादक हैं।

मीना रघुनाथन सीईई में नेटवर्किंग एंड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की प्रमुख रही हैं। वर्ष 2005 से वे जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन के साथ बतौर निदेशक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) कार्यरत हैं।

मराठी में भी उपलब्ध

रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन : ज़िना ओ'लियरी

₹ 325

2017 | 344 pages
PB (978-93-515-0667-6)

विवरण

यह पुस्तक छात्रों को 'अनभिज्ञ' से 'जानकार' बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। यह पुस्तक, प्रत्येक अध्याय में विभिन्न चरणों की व्याख्या करते हुए पाठक का रिसर्च प्रोजेक्ट की शुरुआत से लेकर उसे लिखने तक में मार्गदर्शन करती है।

लेखक के विषय में

ज़िना ओ'लियरी द ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड स्कूल ऑफ गवर्नमेंट

मराठी में भी उपलब्ध

शोध कार्यप्रणाली : रंजीत कुमार

आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड, 4ई

वितरक: लाक्षी पब्लिशर्स

₹ 425

2017 | 432 pages
PB (978-93-515-0662-1)

विवरण

शोध कार्यप्रणाली, ऐसे लोगों के लिए लिखी गई है, जिन्हें शोध अथवा शोध विधियों के संदर्भ में कोई पूर्व अनुभव नहीं है। सहायक तकनीकों एवं उदाहरणों के कारण यह पुस्तक सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए पठनीय है।

लेखक के विषय में

रंजीत कुमार यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया

सांख्यिकी : फ्रेडरिक एल. कूलिज

सरल परिचय, 3ई

विवरण

यह पुस्तक परिचयात्मक सांख्यिकी को आसान बनाती है। इसे छात्रों की मुश्किल को घटाने और अनावश्यक सूत्रों को कम से कम करने के लिए लिखा गया है। पुस्तक में बुनियादी सांख्यिकीय डिज़ाइन और विश्लेषण की व्यापक समीक्षा भी दी गई है।

लेखक के विषय में

फ्रेडरिक एल. कूलिज ने फ़्लोरिडा विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में बीए, एमए और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है।

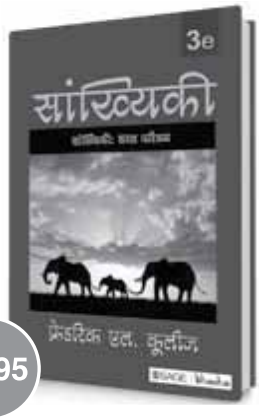

₹ 495

2017 | 476 pages
PB (978-93-515-0664-5)

मराठी में भी उपलब्ध

शोध प्रस्ताव कैसे करें तैयार : पैम डेनिकोलो । लुसिंडा बेकर

विवरण

इस आसान और जानकारीपूर्ण किताब में लेखिकाएं बताती हैं कि रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अनुदान प्राप्त करने या रिसर्च डिग्री प्रोग्राम से जुड़ने के लिए कैसे प्रभावशाली शोध प्रस्ताव तैयार किया जाये। यह किताब बताती है कि जो प्रस्ताव को पढ़ेंगे वे क्या चाहते हैं।

लेखकों के विषय में

पैम डेनिकोलो यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग और अन्य विभिन्न संस्थानों में, शोध, शिक्षण, लेखन तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगठनों की कार्यकारी समितियों से जुड़ी रही हैं।

लुसिंडा बेकर यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग में एक पुरुस्कृत वरिष्ठ व्याख्या और टीचिंग फैलो व पेशेवर प्रशिक्षक हैं। उन्होंने कई सफल अध्ययन मार्गदर्शक पुस्तकों का लेखन किया है।

₹ 250

2017 | 132 pages
PB (978-93-859-8555-3)

मराठी में भी उपलब्ध

सफल गुणात्मक अनुसंधान : वर्जीनिया ब्रौन । विक्टोरिया क्लार्क

नए शोधकर्ताओं के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन

विवरण

यह एक सरल एवं व्यावहारिक पाठ्यपुस्तक है जो सफल गुणात्मक अनुसंधान करने के लिए सुझाव और कौशल प्रदान करती है। यह पाठ्यपुस्तक गुणात्मक अनुसंधान का अध्ययन या शोध परियोजना में गुणात्मक विधियों का प्रयोग कर रहे स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

लेखकों के विषय में

वर्जीनिया ब्रौन ऑकलैंड विश्वविद्यालय, ऑकलैंड, आओटियारोआ/न्यूजीलैंड के स्कूल ऑफ़ साइकोलॉजी में सहायक प्रोफ़ेसर है।

विक्टोरिया क्लार्क वेस्ट ऑफ इंग्लैंड विश्वविद्यालय, ब्रिस्टल, ब्रिटेन के मनोविज्ञान विभाग में लैंगिकता अध्ययन की सहायक प्रोफ़ेसर हैं।

शीघ्र उपलब्ध

₹ 425

2017 | 420 pages
PB (978-93-515-0663-8)

मराठी में भी उपलब्ध

गुणात्मक अनुसंधान : डेविड सिल्वरमैन

4ई

शीघ्र उपलब्ध

₹ 500

2018 | 487 pages
PB (978-93-515-0582-2)

विवरण

इस अत्यंत सफल पुस्तक को और ज्यादा सरल एवं व्यापक बनाने के लिए पूर्णत: संशोधित किया गया है और नवीनतम जानकारियां जोड़ी गई हैं। इसमें उत्कृष्ट गुणात्मक शोधकर्ताओं के लेख शामिल हैं। यह गुणात्मक विधियों पर पहला विस्तृत एवं सरल लेखन है।

संपादक के विषय में

डेविड सिल्वरमैन गोल्डस्मिथ्स कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर हैं। उन्होंने सेज के लिए गुणात्मक विधियों पर कई बेहद लोकप्रिय पुस्तकों की रचना की है, जिसमें इन्टर्प्रेटिंग क्वालिटेटिव डेटा, तृतीय संस्करण (2006), डूइंग क्वालिटेटिव रिसर्च, तृतीय संस्करण (2010) तथा ए वेरी शॉर्ट, फेयरली इंटरेस्टिंग, रीज़नेबली चीप बुक अबाउट क्वालिटेटिव रिसर्च (2007) शामिल हैं। वह गुणात्मक विधियों का परिचय श्रृंखला के संपादक भी हैं।

प्रभावपूर्ण प्रस्ताव लेखन : वासुदेव मूर्ति

₹ 250

2017 | 185 pages
PB (978-93-5280-245-6)

विवरण

यह पुस्तक औपचारिक व्यापारिक कार्यों के महत्त्वपूर्ण हिस्से 'गुणवत्तापूर्ण प्रस्ताव लेखन' के रहस्य से परदा हटाती है। यह पाठक की विस्तृत और पेशेवर दस्तावेज़ तैयार करने में सहायता करेगी। व्यावहारिक और दिलचस्प तरीके से लिखी गई यह पुस्तक विभिन्न पेशेवरों के लिए बहूमूल्य है।

लेखक के विषय में

वासुदेव मूर्ति को तकनीक, प्रबंधन और प्रशिक्षण के क्षेत्र में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है।

शैक्षणिक लेखन : माथुकुट्टि एम. मोनिप्पल्लि । शंकर बद्रीनारायण पवार

प्रबंधन के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए मार्गदर्शिका

₹ 300

2017 | 277 pages
PB (978-93-5280-375-0)

विवरण

यह पुस्तक छात्रों और शोधकर्ताओं को बेहतर असाइमेंट्स, शोध प्रबंध और प्रकाशन के लिए प्रबंध लिखने में सहायता करती है। यह ज्ञान निर्माण और ज्ञान प्रसार प्रक्रिया में अकादमिक लेखन को एक अभिन्न हिस्से के रूप में प्रस्तुत करती है।

लेखकों के विषय में

माथुकुट्टि एम. मोनिप्पल्लि भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, भारत में संचार विभाग में प्रोफ़ेसर रहे हैं।

बद्रीनारायण शंकर पवार राष्ट्रीय बैंक प्रबंध संस्थान की इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ बैंकिंग एंड फायनेंस चेयर में प्रोफ़ेसर हैं।

SAGE | bhasha
भारतीय भाषाओं में प्रकाशन कार्यक्रम

क्या आप सामाजिक विज्ञान और/या व्यवसाय प्रबंधन (बिज़नेस मैनेजमेंट) के क्षेत्र में लेखक हैं और अपनी पुस्तक का प्रकाशन करवाना चाहते हैं?

सेज के साथ कीजिए प्रकाशन

- सेज के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता के मानक
- भारतीय भाषाओं में महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक प्रकाशन
- सेज द्वारा पांडुलिपि से लेकर प्रकाशन तक, <90% प्रक्रियाओं का प्रबंधन
- प्रकाशन के लिए कोई राशि नहीं ली जाती
- सेज के मार्केटिंग सिस्टम और ई-बुक कार्यक्रमों से स्वतः जुड़ने का अवसर
- बिक्री और रॉयल्टी में संपूर्ण पारदर्शिता
- सभी पांडुलिपियों/अनुवादों के मूल्यांकन के लिए समीक्षकों का पैनल
- भारत और विश्वभर में विस्तृत वितरण

हम इन विषयों में प्रकाशन करते हैं:

- व्यवसाय व प्रबंधन
- समाजशास्त्र
- मनोविज्ञान
- मीडिया व संचार
- शहरी अध्ययन
- विधि एवं दंड-न्याय
- अर्थशास्त्र एवं विकास
- शिक्षा
- शोध विधियां
- राजनीतिक व अंतरराष्ट्रीय सम्बंध
- परामर्श एवं मनश्चिकित्सा
- स्वास्थ्य एवं समाज कार्य

अपनी पांडुलिपि भेजने के लिए sagebhasha@sagepub.in पर लिखिए।

हमारे प्रख्यात लेखक

एलिस डब्ल्यू. क्लार्क

के. एस. चलम

किरण वडेहरा

माधुरी बोस

राजीव सीकरी

पॉल ब्रास

रॉबिन बनर्जी

समीर दुआ

सोफिया दिमित्रियादी

सैय्यद नवाब हैदर नक़वी

उपिंदर सिंह

वनिता कोहली-खांडेकर

वॉल्टर विएरा

ज़रीना भट्टी

बप्पादित्य पॉल

वीरेन्द्र मिश्रा

SAGE BHASHA in *news*

अमर उजाला

सप्ताह की किताबें

चरण सिंह और कांग्रेस राजनीति

एक शख्स और नीति के विचार

सामान्य ज्ञान की बात करें, तो चौधरी चरण सिंह संविधा काल के लिए ही सही, लगर भारत के सातवें प्रधानमंत्री थे। लेकिन विस्तार से जान करना चाहें, तो भारतीय राजनीति में उनकी भूमिका काफी गहरी और गहरी रही है। उनकी राजनीतिक और निजी जीवन के इसी सफर को पेश करती है पॉल आर. ब्रास की यह किताब। चरण सिंह के बहाने ही इस किताब के जरिये सन 1957 से 1961 के दौर की राजनीति से जुड़ी कई कहानियां भी सामने आती हैं। फिर वे किससे पढ़ना भी दिलचस्प है, जिनमें मध्यम वर्गीय जाट परिवार से आने वाला एक साधारण सा व्यक्ति एक बड़े राजनीतिक सामाजिक आंदोलन को अगुवाई करता दिखता है। कहा जा सकता है कि एक महत्वपूर्ण राजनेता की जीवनी के अतिरिक्त भी यह किताब अपने भीतर कई कुछ समेटे है। इस लिहाज से यह एक संग्रहणीय किताब भी है।

किताब
चरण सिंह और कांग्रेस राजनीति
लेखक
पॉल आर. ब्रास
प्रकाशक
नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया
प्राइवेट लिमिटेड
मूल्य: 495 रुपये

प्रभात खबर

21st March 2016

अच्छी पुस्तकें

सपने की खोज

मनुष्य का मन जागते और सोते, दोनों अवस्था में क्रियाशील रहता है. नींद में मन की क्रियाशीलता जागृत अवस्था की क्रियाशीलता को आगे बढ़ाती है. नींद की इसी क्रियाशीलता को सपने देखना कहते हैं. आज अंग्रेजी हस्तियों की पुस्तक सपने देखने का साहस से आपको सपनों के महत्व के बारे में बता रहे हैं.

1. एक सपना महज एक सपना नहीं होता, वह और अधिक जागरूकता विकसित करने का आह्वान है. यह संभावनाओं का विशाल सागर है. वह प्रायः वास्तविकता की रूपरेखा है.

2. एक सपना उन संभावनाओं को पहचानने तथा खोज करने का मौका देता है, जो पहुंच के बिल्कुल भीतर तथा वर्तमान वास्तविकता से कोसों दूर, दोनों ही अर्थों में होता है.

3. हमारे ऐसे भविष्य को रचने की क्षमता है, जो शायद बिना सपने के मौजूद ही नहीं रह सकता और अगर वह बड़ा सपना है, जैसा मार्टिन लूथर किंग ने देखा था, तो फिर वह अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है.

4. अज्ञात क्षेत्रों तथा निरंतर बदलते समय में मार्गदर्शन के लिए सपनों का वास्तविकता में रूपांतरित होना अत्यंत आवश्यक है.

5. सपने देखकर उन्हें साकार करने में कुछ बातों की जरूरत होती है. इसके लिए हमारे अंदर सीखने की चाह होनी चाहिए, बदलाव को देखने और उसे समझने की क्षमता होनी चाहिए. यह एक ऐसी क्षमता है जो औसत प्रबंधकों को उत्कृष्ट प्रबंधकों से अलग करती है.

पंजाब केसरी

16th April 2017

पुस्तक परिचय

मृत्यु कष्टदायी न थी

लेखक : [illegible] प्रकाशक : [illegible] 110044, पृष्ठ संख्या : 232, मूल्य : 260 रुपए।

यह किताब उस मूल भारतीय कहानी पाकिस्तान के अनुभवों का सजीव चित्रण है जिसे 1971 के भारत-पाक/बंगलादेश निर्माण युद्ध के दौरान कैदी बनाया गया था। यह युद्ध के दौरान कराची पाकिस्तान के सामान्य जीवन का वर्णन तो करती ही है, साथ ही इसका [illegible] भी है जहां युद्ध की भयानक [illegible] पर मौलिक की [illegible] जाती हैं।

Sales Information

T S Venkatesh
Mob: +91 98733 55423
e-mail: ts.venkatesh@sagepub.in

Harpreet Singh
Mob: +91 93106 61414
e-mail: harpreet.singh@sagepub.in

Nikhil Verma
Mob: +91 78979 97999
e-mail: nikhil.verma@sagepub.in

Raushan Kumar
Mob: +91 75440 16145
e-mail: raushan.kumar@sagepub.in

Kalyan Singh
Mob: +91 98380 02776
e-mail: Kalyan.Singh@sagepub.in

Two Easy Ways to Order!

For fastest delivery, go to **www.sagepub.in**

Email: **marketing@sagepub.in**
bhashasales@sagepub.in

Lakshi Publishers & Distributors
4264/3, 1st Floor, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
Tel: 011-23286322, Mob: 9811268801; Email: lakshipublishers@gmail.com; Web: www.lakshipublishers.com

K.K. Publications
4806/24, 1st Floor, Bharat Ram Road, Daryaganj, New Delhi - 110 002
Tel: 23285079, 65185557, 23285167, 47340207; Email: kkpdevinder@vsnl.net; info@kkpublications.com
Web: www.kkpublications.com

Bhatt Brothers
D-4, first floor, Johar complex, Tilak Road, Rishikesh-249201 Uttarakhand India
Web: www.bhattbrothers.com

Get to know more about SAGE, be invited to SAGE events, get on our mailing list!
Write to **marketing@sagepub.in**

Please note that information is correct at the time of print. Prices are subject to change without notice.

SAGE | bhasha

भारतीय भाषाओं में प्रकाशन कार्यक्रम

Launched in 2015, SAGE Bhasha aims to reach every strata of academia through cutting edge research that transcends boundaries in Indian languages. Starting with Hindi and Marathi, we bring forth quality resources at affordable prices and will extend this to each Indian language we publish in.

COME PARTNER WITH SAGE

Are you a subject expert and would like to **review manuscripts?**

Do you want to build a **career in translation?**

Want to get associated with the world's leading academic publisher as a **distributor?**

Write to **bhashasales@sagepub.in**